हिन्दी प्रादेशिक समाचार
आकाशवाणी चंडीगढ़
(तिथि 03 जून 2025, समय 1305 (5 मिनट)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व की अग्रणी विमानन कंपनियों को भारत में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया है। उन्होंने कहा कि भारत विश्व में तीसरे सबसे बडे घरेलू विमानन बाजार के रूप में उभर कर सामने आया है। नई दिल्ली में कल अंतर्राष्ट्रीय वायु यातायात संगठन की वार्षिक बैठक को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि भारत विश्व की अग्रणी विमानन कंपनियों के लिए निवेश का एक शानदार अवसर प्रस्तुत करता है।प्रधानमंत्री ने वैश्विक विमानन व्यवस्था में व्यापार बाजार के साथ नीति नेतृत्व, नवाचार और समावेशी विकास के प्रतीक के रूप में भारत की भूमिका पर बल दिया

आज का भारत पहले से कही ज्यादा आत्मविश्वास से भरा हुआ है। ग्लोबल एविएशन ईको सिस्टम में हम न केवल एक विशाल मार्केट हैं बल्कि पॉलिसी लीडरशिप, इनोवेशन और इन्क्लुजिव डेव्लपमेंट के प्रतीक भी हैं।

उन्होंने कहा कि 2014 में देश में 74 परिचालन योग्य हवाई अड्डे थे, जो अब बढकर 162 हो चुके हैं।

****

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए पूरा राष्ट्र भारतीय सैनिकों की वीरता को नमन कर रहा है। सशस्त्र बलों के प्रति आभार व्यक्त करने के उद्देश्य से आकाशवाणी का समाचार सेवा प्रभाग एक विशेष श्रृंखला प्रस्तुत कर रहा है। इसी कड़ी में आज हम परमवीर चक्र से सम्मानित सेकेंड लेफ्टिनेंट राम राघोबा राणे को याद कर रहे हैं, जिन्होंने वर्ष 1947-48 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान अविश्वसनीय बहादुरी का प्रदर्शन किया था।

वर्ष 1918 में वर्तमान में कर्नाटक में जन्मे सेकंड लेफ्टिनेंट रामा राघोबा राणें, दिसंबर 1947 में सेना की इंजीनियर्स कोर में शामिल हुए। 21 वर्षों की अपनी सैन्य सेवा के दौरान उन्हें पांच बार मेंशन इन डिस्पैच सम्मान प्राप्त हुआ। वर्ष 1947-48 में भारत पाक युद्ध के दौरान भारतीय सेवा ने मार्च 1948 में जहांगीर क्षेत्र पर पुनः नियंत्रण प्राप्त करने के बाद वहां के नागरिकों को दुश्मन की क्रूरता से बचाने के लिए नौशेरा से राजौरी की ओर एक अग्रिम अभियान की योजना बनाई। 8 अप्रैल को चार डोगरा बटालियन ने अपना हमला शुरू किया, लेकिन उसका मार्ग बारुदी सुरंगों और सड़क अवरोधों से बाधित था। सेकंड लेफ्टिनेंट रामा राघोबा राणें, इस दौरान 37 एसॉल्ट फील्ड कंपनी की एक टुकडी का नेतृत्व कर रहे थे। सेकंड लेफ्टिनेंट राणें ने इस दौरान शत्रु के मोर्टार हमलों के बीच असाधारण साहस और नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन किया। 8 अप्रैल के दिन घायल होने के बावजूद भी, उन्होंने टैंकों के लिए मार्ग को साफ करने के लिए बारूदी सुरंगों और

बाधाओं को हटाने का कार्य जारी रखा। उनके इन्हीं प्रयासों के कारण भारतीय सेना राजौरी तक पहुंचने में सफल हुई, जिससे दुश्मन को भारी नुकसान पहुंचा और असंख्य निर्दोष नागरिकों का जीवन बचाया जा सका। उनके अद्‌वितीय साहस दृढ निश्चय और सेवा भावना के लिए सेकंड लेफ्टिनेंट रामा राघोबा राणें को परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया। सकलेन अख्तर, आकाशवाणी समाचार, दिल्ली

****

हरियाणा खाद्‌य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता विभाग द्‌वारा हरियाणा की मंडियों में सूरजमुखी की खरीद आरंभ कर दी गई है। सूरजमुखी की खरीद 30 जून तक जारी रहेगी। हरियाणा खाद्‌य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले के मंत्री राजेश नागर ने बताया कि वर्तमान में सूरजमुखी का बाजार भाव 6400 से 6500 रुपये किवंटल है और सरकार द्‌वारा सूरजमुखी का न्यूनतम मूल्य 7280 रूपए प्रति किवंटल निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया की इस वर्ष मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल सूरजमुखी हेतु 18166 किसानो द्‌वारा पंजीकरण किया गया है। राज्य के पांच जिलों की 17 मंडियों में हैफेड और हरियाणा हाउसिंग वेयर कार्पोरेशन द्‌वारा सूयजमुखी की खरीद की जाएगी।

****

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में कल चंडीगढ़ में हुई उच्चाधिकार प्राप्त क्रय समिति, विभागीय उच्चाधिकार प्राप्त क्रय समिति तथा उच्चाधिकार प्राप्त कार्य समिति की बैठक में लगभग 1640 करोड़ रुपये से अधिक के ठेकों और विभिन्न वस्तुओं की खरीद को मंजूरी दी गई। बैठक में विभिन्न बोलीदाताओं से मोल भाव कर लगभग 61 करोड़ रुपये की बचत की गई।प्रदेश सरकार द्‌वारा गांवों में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए महाग्रामों तथा 7500 से अधिक जनसंख्या वाली ग्राम पंचायतों को “हॉपर टिपर डंपर“ भी प्रदान करने के निर्णय लिया है। इसके लिए 298 हॉपर टिपर डंपर की खरीद को मंजूरी दी गई है ताकि पंचायतें अपने स्तर पर कचरा प्रबंधन कर सके। इस पर लगभग 19 करोड़ रुपए की लागत आएगी।

इसके अलावा, गांवों में खोले जा रहे पुस्तकालयों के लिए पुस्तकों की खरीद को भी मंजूरी दी गई। इसके अतिरिक्त, ग्राम सचिवों, मुख्य कार्मिक संपर्क अधिकारियों की सुविधा के लिए 4500 लैपटॉप की भी खरीद को मंजूरी दी गई है। इन पर लगभग 31 करोड़ 50 लाख रुपए की लागत आएगी। क्लस्टर स्कूलों के लिए 6 करोड़ 79 लाख रुपए की लागत से 1415 कंप्यूटरों की खरीद को भी स्वीकृति दी गई है। बैठक में मंडी डबवाली में लगभग 11 करोड़ रुपए की लागत से राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्‌यालय के निर्माण और गुरुग्राम में लगभग 61 करोड़ रुपए की लागत से जिला परिषद विकास भवन के निर्माण को भी मंजूरी दी गई।